मापन के कार्य
– Function of Measurment –

मापन के निम्नलिखित कार्य है—

1- वर्गीकरण (classification)
11- पूर्व कथन (Prediction)
111- तुलना (comparison)
1V- परामर्श और निर्देशन देना - (Guidance and Counselling)
V- निदान करना (Diagnosis)
V1- शोध करना (Research)

1- वर्गीकरण – विश्व में प्रत्येक व्यक्ति एक-दूसरे से शारीरिक व मानसिक दृष्टि से भिन्न होता है। अनुसंधानों से यह निर्ष्कर्ष निकला है कि प्रत्येक व्यक्ति की बुद्धिलब्धि रुचि, अभियोग्यता, सृजनात्मकता व कार्यो के लिए छात्रों का चयन उनकी उपलब्धि योग्यता के आधार पर किया जाता है। मापन परिणामों के आधार पर ही छात्रों को रैंक व श्रेणी प्रदान करना कक्षोन्नति देना आदि कार्य किये जाते हैं। इस प्रकार मापन का शैक्षिक, व्यवसायिक, औद्योगिक व व्यक्तिगत चयन में व्यापक प्रयोग होता है।

11- पूर्व-कथन– शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वकथन का बहुत महत्व है। पूर्व कथन के द्वारा बालक के भावी विकास का अनुमान लगाया जा सकता है। मापन के परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है

कि बालक किसी विषय विशेष व्यवसाय अथवा कोर्स में सफल होगा अथवा नहीं।

III- तुलना - प्रमापीकृत परीक्षणों के आधार पर जिनके मानक पहले से तैयार होते हैं। भिन्न-भिन्न व्यक्तियों की आपस में तुलना की जा सकती है जैसे किसी बुद्धि परीक्षण का मानक 120 है तो जिस व्यक्ति के अंक 100 आते हैं तो उसे हम सामान्य से नीचे व जिनके अंक 130 आते हैं तो उसे हम सामान्य से अच्छा कहेंगे।

IV- परामर्श व निर्देशन विद्यार्थी के व्यवहार के विभिन्न शीलगुणों का मापन करके यह निश्चित किया जा सकता है कि उसे कौन-कौन से विषयों का अध्ययन कराया जाय अर्थात पाठ्यक्रम जैसे- टीचिंग मेडिकल, कानून, व्यापार, वाणिज्य आदि को अपनाने के लिए कहा जाय।

V- निदान - निदान का अर्थ है - छात्र के सीखने सम्बन्धी कठिन स्थलों का पता लगाना। शिक्षक कक्षा में उपलब्धि परीक्षण व बुद्धि परीक्षण के माध्यम से छात्र की क्षमताओं व कमजोरियों का पता लगाता है। उदाहरणार्थ - हिन्दी विषय में मात्राओं में त्रुटि करना अंग्रेजी लिखते समय spelling गलत लिखना या शब्दों को उल्टा लिख देना आदि। इस हेतु यह उपचारात्मक शिक्षण करता है।

VI- शोध कर्ता — शैक्षिक व मनोवैज्ञानिक शोध में मापन की मुख्य भूमिका है। शोध में किसी न्यादर्श का चयन करके उस पर परिक्षण प्रशासित किया जाता है तथा आँकड़े एकत्रित करके शोध सम्बन्धी निष्कर्षों का विश्लेषण किया जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया
12/06/21